DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

सर्वनाम

LIVE 21-03-2024 09:00 AM

सर्वनाम

- **पुरुषवाचक**
  - उत्तम - मैं, हम
  - मध्यम - तू, तुम, आप
  - अन्य - ये, वे
- **निजवाचक** (आप, स्वयं, खुद (अपने आप))
- **निश्चय वाचक** (यह, वह)
- **अनिश्चय वाचक** (कुछ, कोई)
- **सम्बन्ध वाचक** (जो, सो, जिसकी, उसकी)
- **प्रश्नवाचक** (क्या, कब, कैसे)

परिभाषा- सर्वनाम विकारी शब्द है।

"जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में लाए जाते हैं। उन्हें सर्वनाम कहते हैं"

सर्व + नाम
↓ ↓
सब किसी का भी नाम

* सर्वनाम के प्रकार | भेद छः होते हैं।

* सर्वनामों की संख्या (11) होती है।
(मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या।)

जैसे- रोहित बाजार गया और ~~रोहित~~ अपने दोस्तों से मिला।

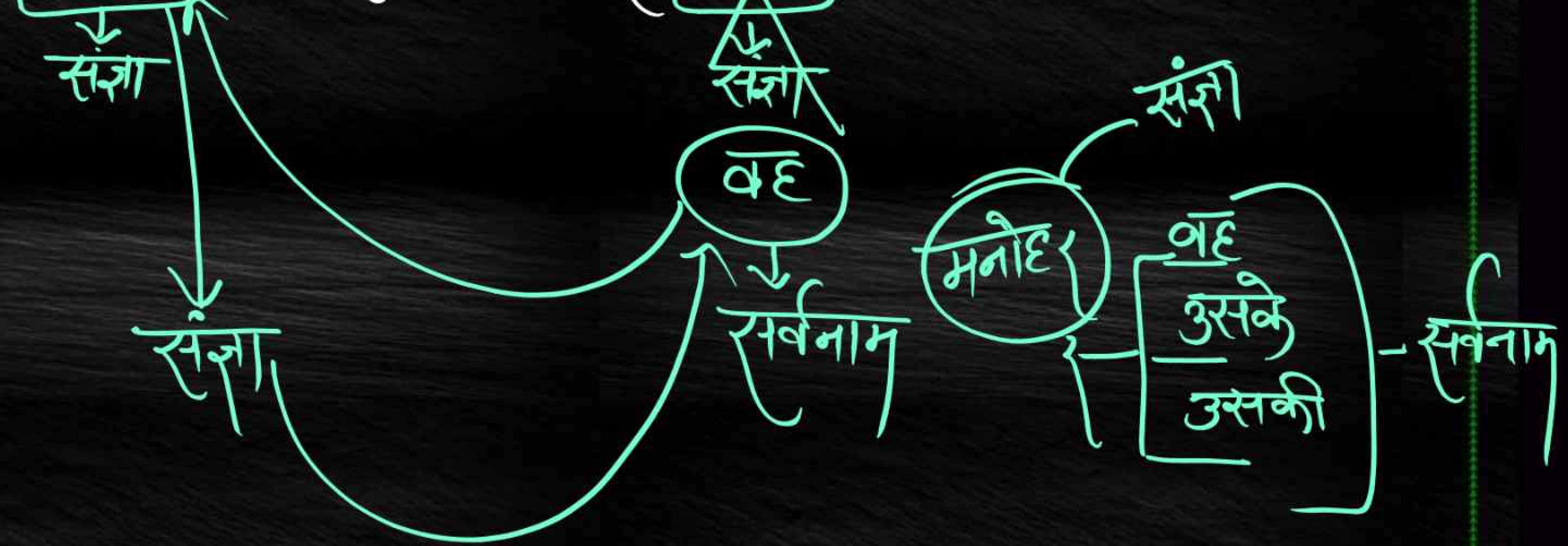

1. पुरुषवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम स्त्री या पुरुष के नाम के बदले आते हैं उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

अथवा

बोलने वाले, लिखने वाले, पढ़ने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए जो सर्वनाम प्रयोग में लाए जाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

(ii) - उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम - वक्ता अर्थात बोलने वाले या लेखक अपने से सम्बन्ध रखने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करते हैं उन्हें उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - मैं, हम

- मैं खेल रहा हूँ। मैं पढ़ता हूँ।
- हम लिखते है।
- हम खेल रहे है।
- हमारा घर बहुत सुन्दर है।
- मैं प्रतिदिन सैर को जाता हूँ।
- मैं रोज सवेरे पाँच बजे उठ जाता हूँ।

①

(ii)- मध्यमपुरुषवाचक - सुनने वाले या पढ़ने वाले के लिए जो सर्वनाम प्रयुक्त होते हैं। उन्हें मध्यमपुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं।

श्रोता

②

जैसे- तू, तुम, आप

↳ किसी दूसरे के लिए प्रयोग हो।

- तू भी खेल।
- तुम भी खेलों।
- तुम्हारे पिताजी आ रहे है।
- तुम मुझे अच्छे लगते हो।
- तुम अपना कार्य नहीं करते।
- तुम बहुत अच्छी हिन्दी बोलते हो।

तू आज स्कूल देर से आया।

आप भोजन करें।

आप पढ़ाई करों।

(iii)- अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम - सुनने वाले अथवा पढ़ने वाले व्यक्तियों अतिरिक्त जो सर्वनाम प्रयुक्त होते हैं। उन्हें अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - ये, वे

- वे सब भी दौड़ रहे है।
- ये बहुत ही होनहार विद्यार्थी है।
- ये सब भी हमारे साथ खेलेगें।
- यह कक्षा में सदैव प्रथम आता है।
- वह बेईमान आदमी है।
- ये सो रहे है।

2. निजवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से स्वयं अर्थ का बोध हो उसे निज वाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - आप, स्वयं, खुद, अपने आप, आप ही

- मैंने स्वयं चोर को देखा है।   वह आप खा लेता है।
- आप भला तो जग भला।
- मेरी माता भोजन अपने आप बनाती है।
- मैं अपना काम आप कर सकता हूँ।
- मैं अपने आप वस्त्र साफ कर लेता हूँ।
- मैं स्वयं लखनऊ जाऊँगा।
- वह औरों को नहीं, अपने को सुधार रहा है।